

वेतना

अध्यायी=२००० रु० सहायक=१६०० रु० सहायक किता २ सतर ३५ रु० ३५०

किमत नाराजी सु० १८०८/००४२५६

यह विशेष विवेक राज दिनांक २५ मार्च १९९१ को श्री हेतु एवं पुत्र श्री लख राम पुत्र श्री चौधू उमर ५० साल साकिन ताल परगना घाट उप-तहसील कृष्णागढ़ जिला सोलन हि० प्र० जिसे पहले पद में विज्ञेता कहा गया है। वा श्री बंगालू पुत्र श्री तुलसीदा साकिन ताल परगना घाट उप-तहसील कृष्णागढ़ जिला सोलन हि० प्र० जिसे पहले अग्रान्त जेता कहा गया है।

यह कि विज्ञेता ने सपरी भूमि खेपेट/खतीनी न० १०/१० कित १७ रकबा ५० बिघा ३ किसबा १५ किसबांसी वा ३/५० हिल्ला रकबा तादादी ३ बिघा ० पिल्ला ६ किसबांसी जिसकी नकल जमावदी साल १९८९-९० संलग्न है। वाका बीजा रणली परगना घाट उप-तहसील कृष्णागढ़ जिला सोलन के विशेष करने का मंडो जेता के साथ सु० २००० रु० (दो हजार रु०) के कर लिया है। जिसके लिए सु० १००० रु० होते है। विज्ञेता ने पूरी राशि पहले ही वसूल पा ली है। वाकि लेने को कुछ नहीं रहा है।

यह कि विज्ञेता ने सपरी भूमि ३ बिघा ० पिल्ला ६ किसबांसी का मंडो जेता से सु० २००० रु० के खास खासितक पथ जल वासु बजावा शुरु मींग अधिकाय आबदाही तावनेशी चरांद अटांद वन-अधिकार तथा वासु अधिकार जो श्री विज्ञेता को उपरोक्त भूमि के सम्बन्ध में है। वा होते है। यह पूर्ण विज्ञेता रूप में खेसा के लिए जेता के पद में हस्तांतरण कर दिये है। घाट जेता

H.C.P. Ram

कीट - - - - - २ - - - - -



-----2-----

उपरोक्त भूमि का आखिरी वा जमादार है। जिसको उपरोक्त भूमि  
 बेचने बहन वा हिल्ला आदि करने का पूर्ण अधिकार तथा हक है।  
 क्रेता को मौजबंद कर जमादा दे दिया गया है। अगर किसी कूरत में  
 कसुता रक्कबा या किसी जुली से क्रेता को जमादा तथा अधिकार से  
 निबट जाये। तो ऐसी कसुद-या से विक्रेता क्रेता की हानि संपत्ति  
 से पूरा करने का जिम्मेवार होगा। विक्रेता यह भी विज्ञापित करता है।  
 कि उपरोक्त भूमि हर प्रकार से साफ वा पाक है। तथा विक्रेता यह भी  
 लिखा देता है। कि जब उपरोक्त भूमि पर उल्लेख किये गये उल्लेखिता  
 का कोई बालता नहीं होगा।

यह कि विक्रेता विक्रेय के अद्योग विषये एवं श्राव्य विक्रेता का  
 क्रेता के अतिरिक्त उनके जहाँ बाकि उल्लेखिता की सम्पत्ति सम्पत्ति  
 जेती। यतः विक्रेता ने अपने लज मन की पूर्ण कसुद-या जमादा तथा  
 स्वतन्त्र हक से निबन्ध हल्लाकर करने वाले साक्षी की मौजूदगी में  
 हल्लाकर कर दिये है। कि अनागत रहे मजदून विक्रेय विक्रेय पर  
 जय मुनाया वा सम्भाला गया। जिसे मुन वा सम्भाल कर सही  
 मना दिनांक 25 मार्च 1991।

S. Munu Roy

विक्रेता

17th Dec

गवर्ण ७७।

सबकु वल सुधाक सुध देचाकर  
 पृ ३५- ८६० हृहगाट

श्याम लाल

गवर्ण ७७२.

श्याम लाल शं. सुधीर  
 पृ ३५- ८६० हृहगाट


श्याम लाल शं. सुधीर

Madan Lal

Dated 25/3

No 141

प्रमाणित किया जाता है कि विलेख सो. 35  
 दिनांक 25.3.51 में जीका हो कर वही सो. 1.....  
 के खण्ड सो. 2..... के वृष्ठ सो. 6..... पर  
 दख हुआ तथा प्रति मतिरिक्त वही सो. 1.....  
 के भाग सहित 8..... के पेज नो. 52.....  
 से 51..... तक बरपा किये गये तथा अन्य  
 कागजात अमृपूरक वही सत्या के भेजे नो. 3 के पेज  
 नो. 60..... तक बरपा किये गये।



Sub-Registrar

Krishnagarh, District Solan (H.P.)





